ये अव्यक्त इशारे

# अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

## 23-08-2026

ब्रह्मा बाप और शिव बाप की विशेष पसन्दगी है ही पवित्रता। लेकिन पवित्रता की परिभाषा बहुत श्रेष्ठ और गुह्य है। पवित्रता जहाँ होगी वहाँ निश्चय, सच्चाई-सफाई, ये सब आ जाता है। सम्पूर्ण पवित्रता का अर्थ ही है – स्वप्न मात्र भी अपवित्रता मन और बुद्धि को टच नहीं करे, इसी को ही कहा जाता है सच्चे वैष्णव।

# Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

**The special preference of Father Brahma and Father Shiva is purity. However, the definition of purity is very deep. When there is purity, then faith, honesty and cleanliness also develop naturally. The meaning of complete purity is that impurity does not touch your mind or intellect even in your dreams. This is called being a true Vaishnav.**